एक छोटे-से राज्य में

लेखनः टॉमी डे पाओला

चित्रः डग सलाटी

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

एक प्राचीन सड़क के पास बसे एक छोटे-से राज्य में, गिरजे का घंटा टनटनाता है। उनके प्यारे राजा का देहान्त हो गया है। वे मरने के पहले छोटे राजकुमार को अपना वारिस बना गए हैं, और उसके लिए अपना करिश्माई शाही चोंगा भी छोड़ गए हैं।

पर राजकुमार के जलोकड़े सौतेले बड़े भाई ने शाही चोंगे को चुरा लिया और उसे काट टुकड़े-टकड़े कर डाले, ताकि छोटा राजकुमार गद्दी पर बैठ राजकाज चला ही न सके। उस छोटे-से राज्य के सभी बाशिन्दों को पता चल गया कि उनका राज्य ख़तरे में है, क्योंकि छोटे राजकुमार के पास ताकत का कोई ज़रिया ही नहीं बचा था।

कैलडेकॉट तथा न्यूबैरी सम्मान विजेता टॉमी डे पाओला द्वारा रचित इस अद्भुत परिकथा के चित्र डग सलाटी ने बनाए हैं। यह कथा दुनिया की सबसे बड़ी ताकत - प्यार की ताकत - का जश्न मनाती है।

एक छोटे-से राज्य में

एक छोटे-से राज्य में

लेखनः टॉमी डे पाओला

चित्रः डग सलाटी

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा
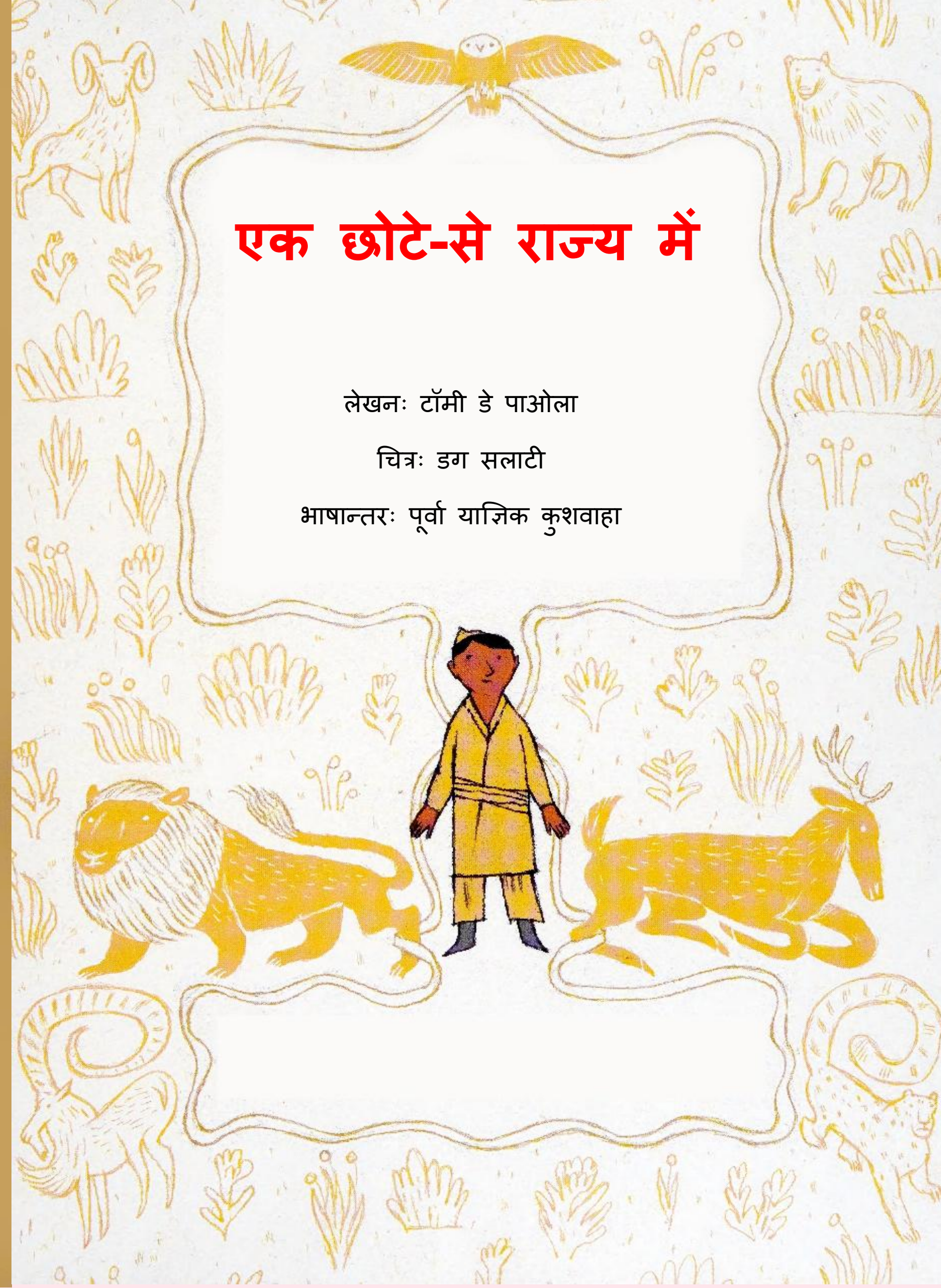
एक प्राचीन सड़क के पास बसे एक छोटे से राज्य में गिरजे का घंटा आधी रात में टनटना उठा। शहर के सभी लोग और राज्य भर से आए मुसाफ़िर महल की ओर दौड़े।
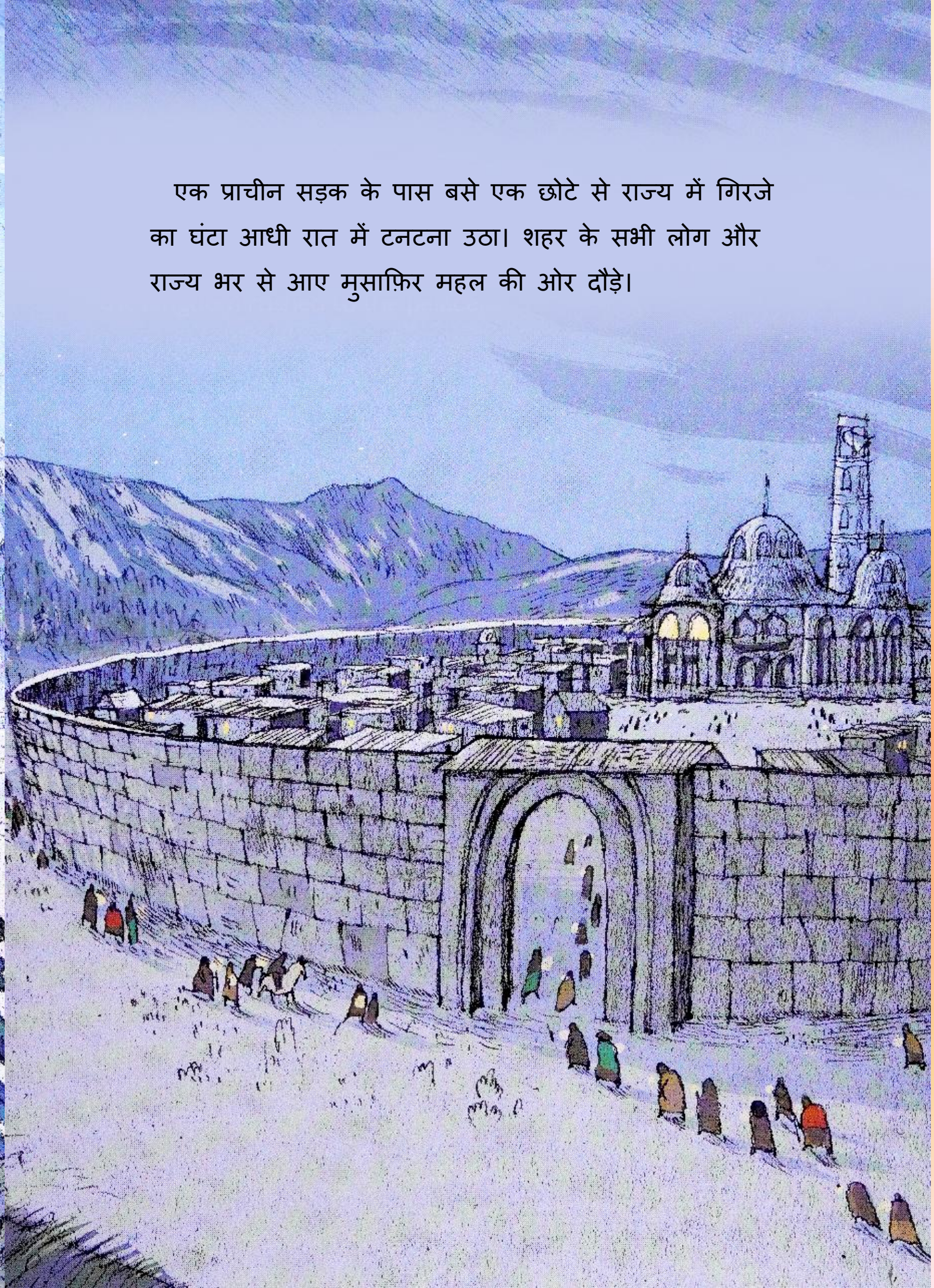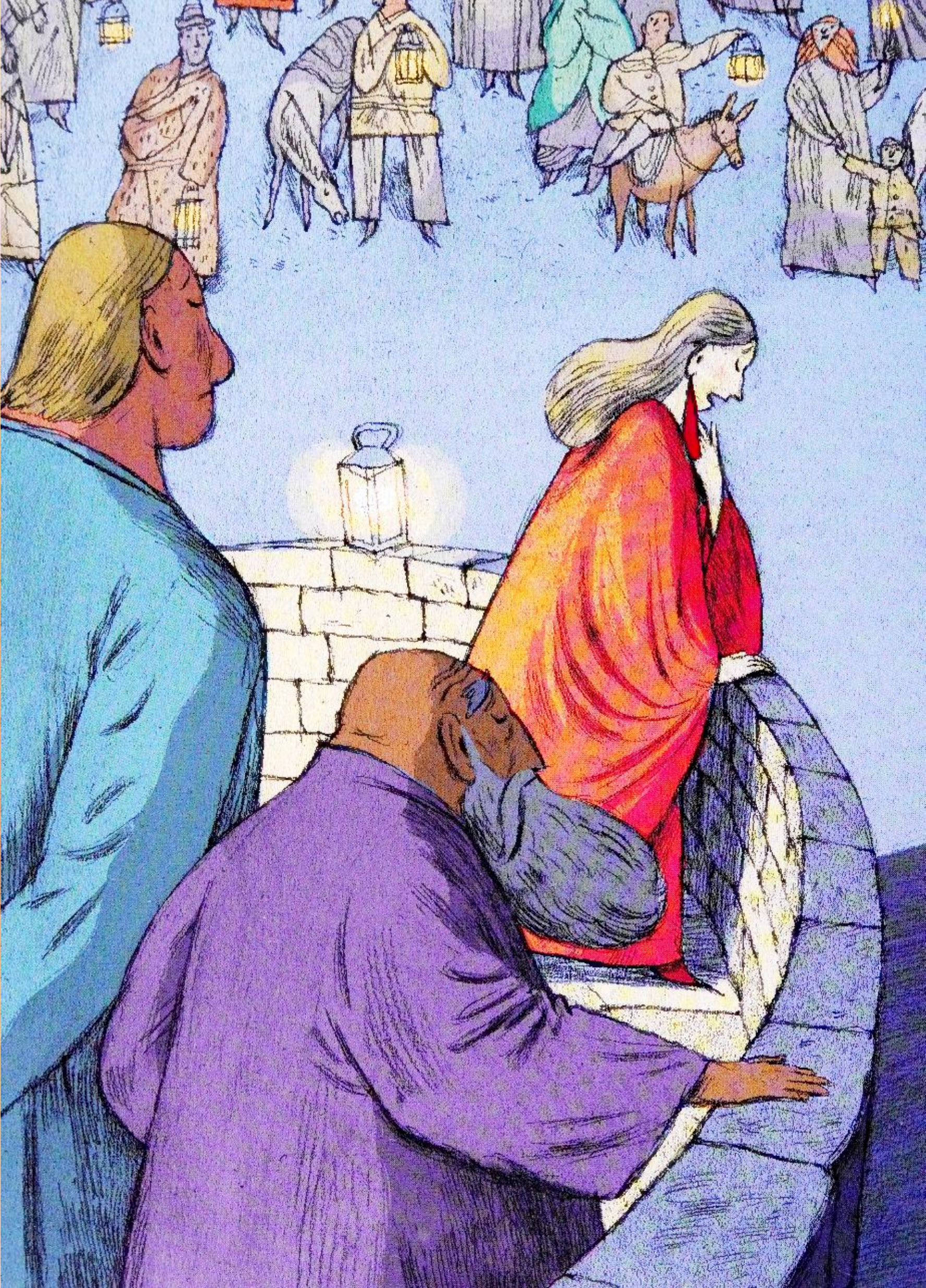
महल के झरोखे का दरवाज़ा खुला और मुख्य सलाहकार ने आगे बढ़ ऐलान किया, “बड़े राज की मृत्यु हो चुकी है।”

भीड के बीच से रोने-सुबकने की आवाज़ें उठने लगीं। उस निष्पक्ष और न्यायी राजा से सभी प्यार जो करते थे।
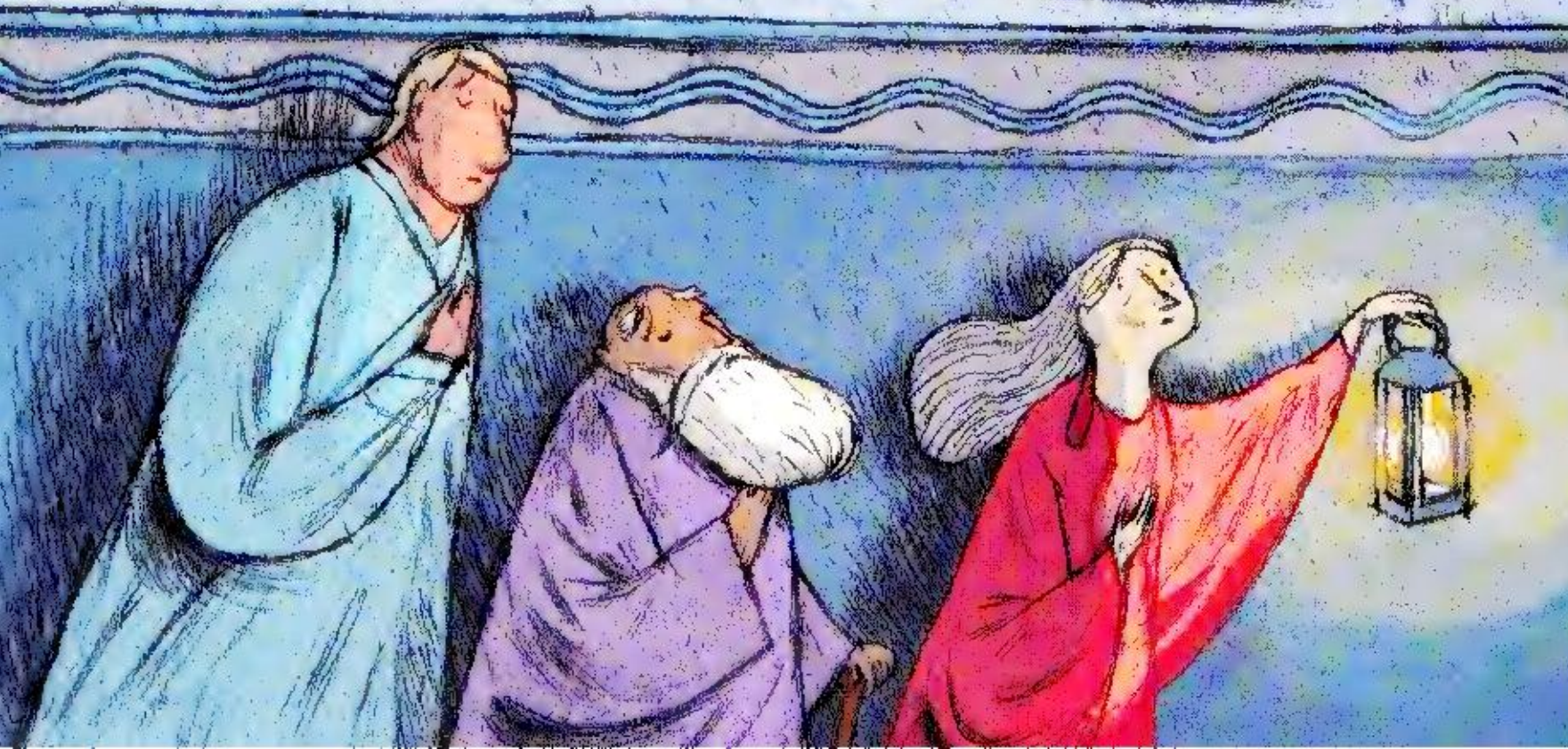
उसके लम्बे राजकाल में राज्य ने तरक्की की थी। राज्य को व्यापार के लिए आने-जाने वाले कारवांओं के लिए महफ़ूज़ माना जाने लगा था। कहा जाता था कि राजा के पास एक करिश्माई ताकत है। इस कारण चोरों-डाकुओं की वहाँ लूट-पाट, चोरी-चकारी करने की हिम्मत ही नहीं होती थी। यह करिश्माई ताकत राजा के शाही चोंगे में थी। उस चोंगे को बहुत कम लोगों ने ही देखा था।

पर अब बूढ़े राजा की तो मौत हो चुकी थी . . . लोग सोच रहे थे कि भविष्य क्या लाएगा?

अगली सुबह सभी सलाहकार फिर से झरोखे में आए।

"तीन दिनों बाद," मुख्य सलाहकार ने ऐलान किया, "बूढ़े राजा को दफ़्न किया जाएगा। दो सप्ताह के शोक के लिए हमारे द्वार बन्द रहेंगे। सभी मुसाफ़िरों को इससे पहले ही लौट जाना होगा।

"पर राज्य की जनता, आप लोग मायूस न हों। राजा ने अपनी मौत के पहले अपने बुढ़ापे की सन्तान, छोटे राजकुमार को अपना वारिस बनाया है।"

लोग यह सुन खुश हुए। उन्होंने सुन रखा था कि छोटा राजकुमार विवेकी और भला था। और फिर शाही चोंगा भी तो था, जो उसे ताकतवर बना देगा।

सभी का मानना था कि राज्य अच्छे हाथों में होगा . . .
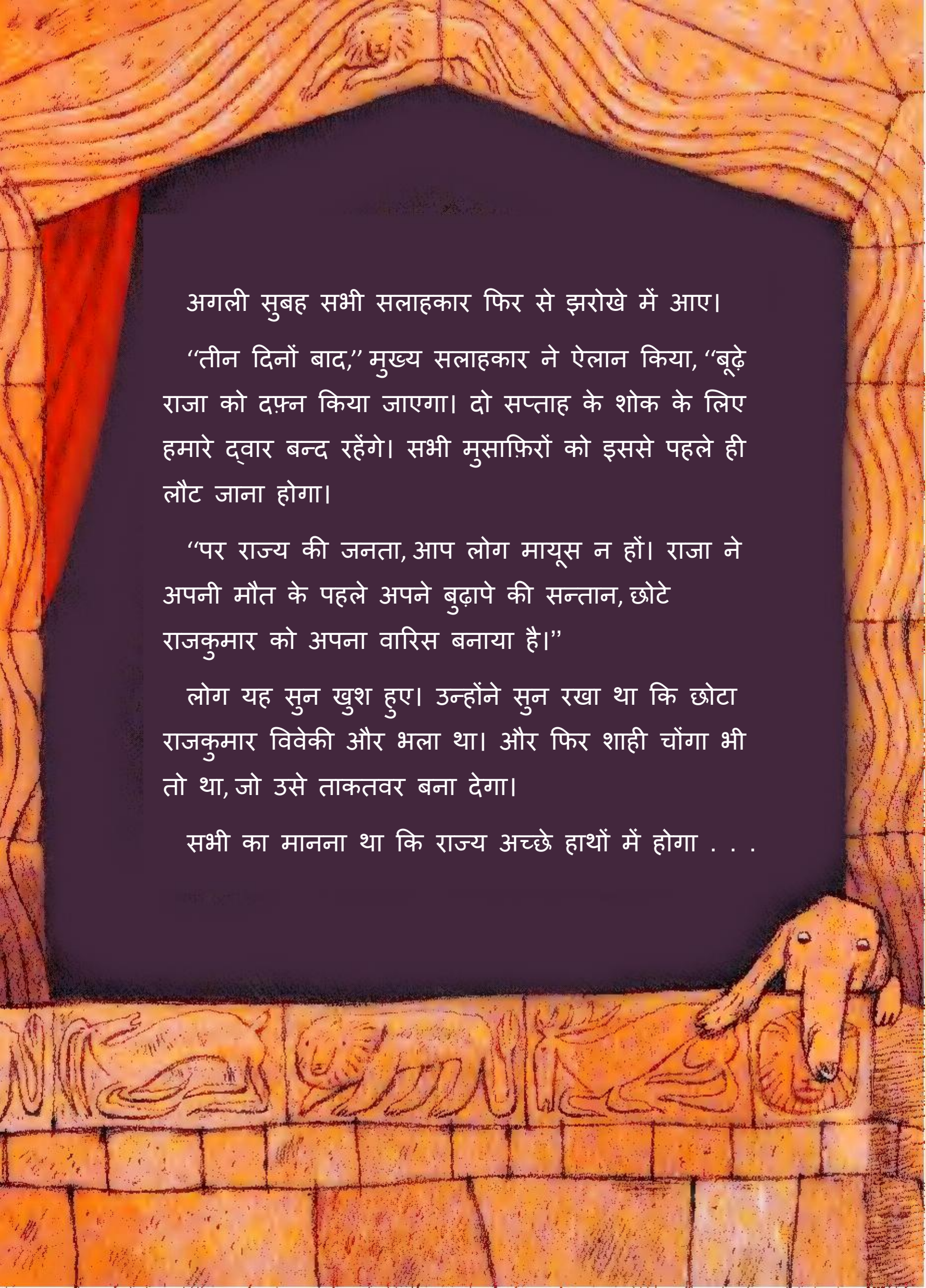
...सिवा एक इन्सान के। छोटे राकुमार का सौतेला बड़ा भाई जलन से खौल रहा था। "बूढ़ा मेरा भी तो बाप था," उसने खुद से कहा। "उसकी हिम्मत कैसे हुई कि मेरे रहते मेरे से छोटे सौतेले भाई को चुने?"

नराज़ सौतेले भाई को फौरन समझ आ गया कि उसे करना क्या है। बिना चोंगे के छोटा राजकुमार राजकाज चला ही नहीं सकता। वह छोटा और कमज़ोर है। पर मैं नहीं।

उसी रात सौतेला बड़ा भाई उस शाही अल्मारी के पास गया जिसमें चोंगा रखा जाता था। चोंगे को चुरा वह उसे ऊँची मीनार पर ले गया।
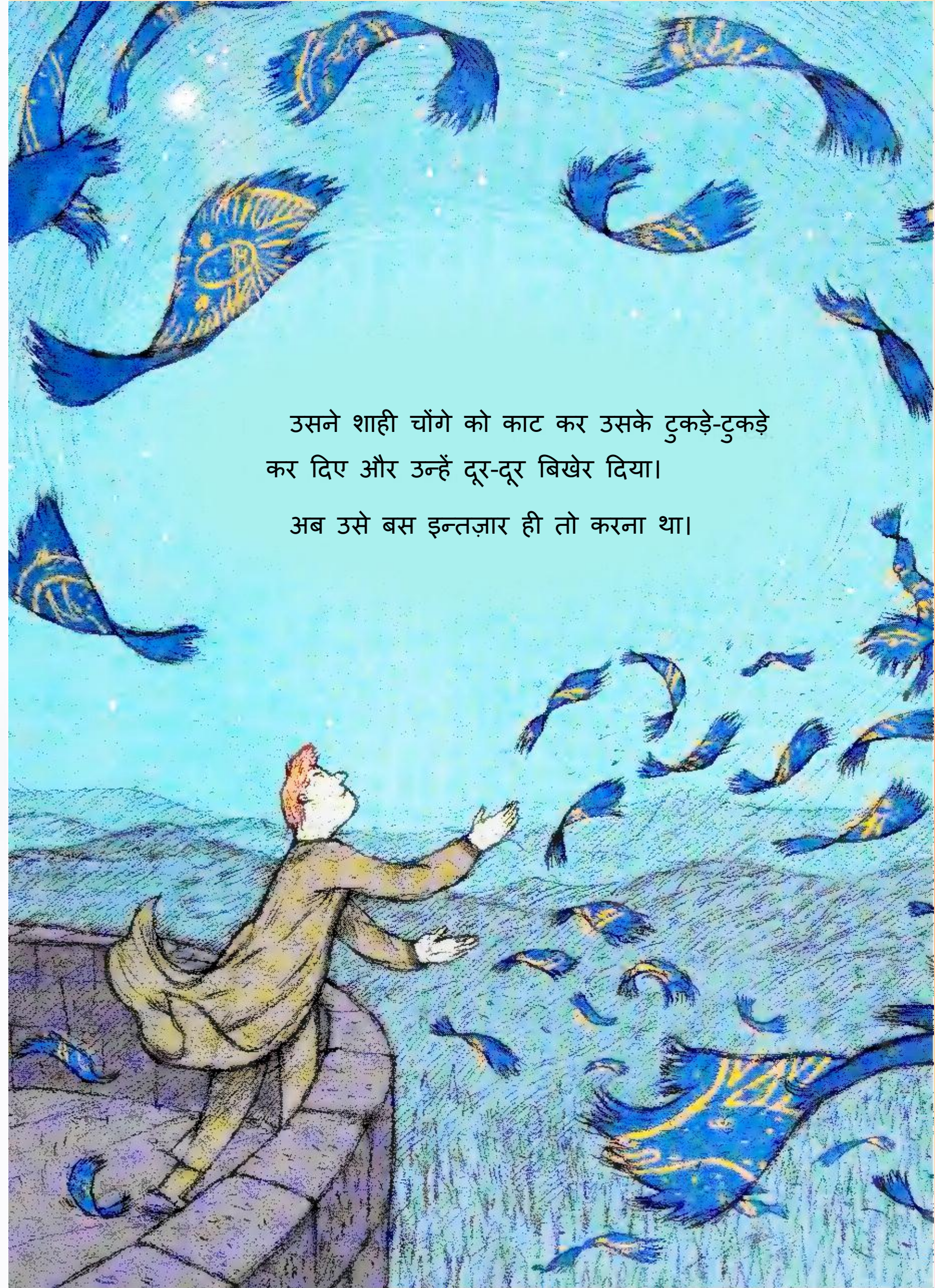
उसने शाही चोंगे को काट कर उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए और उन्हें दूर-दूर बिखेर दिया।

अब उसे बस इन्तज़ार ही तो करना था।

शोक का समय खत्म हुआ। छोटे राजकुमार को शाही अल्मारी के पास ले जाया गया।

“शाही चोंगा इतना ताकतवर है कि तुम इसे केवल महल के अन्दरूनी कमरो में ही पहनोगे,” मुख्य सलाहकार ने राजकुमार को समझाया। “अब इस करिश्माई चोंगे को पहनने का समय आ गया है।”
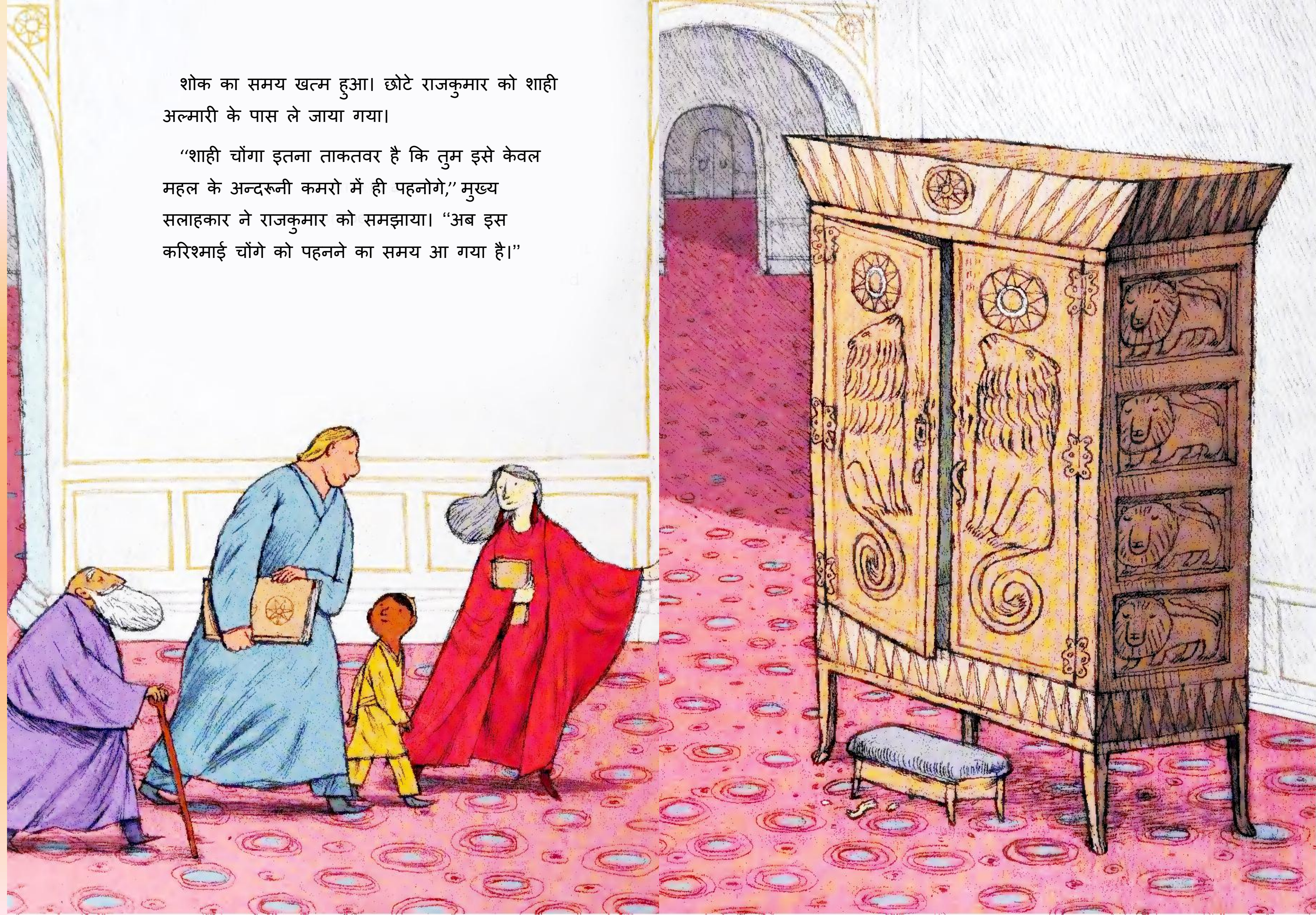
तुम सोच ही सकते हो कि जब सबने चोंगे को गायब पाया तो वे किस कदर सकते में आ गए होंगे!

बेचारा छोटा राजकुमार तो दुखी हो अपने कमरे की ओर दौड़ा और उसने खुद को अन्दर बन्द कर लिया। बिना चोगे के वह राजा बन ही नहीं सकता था!
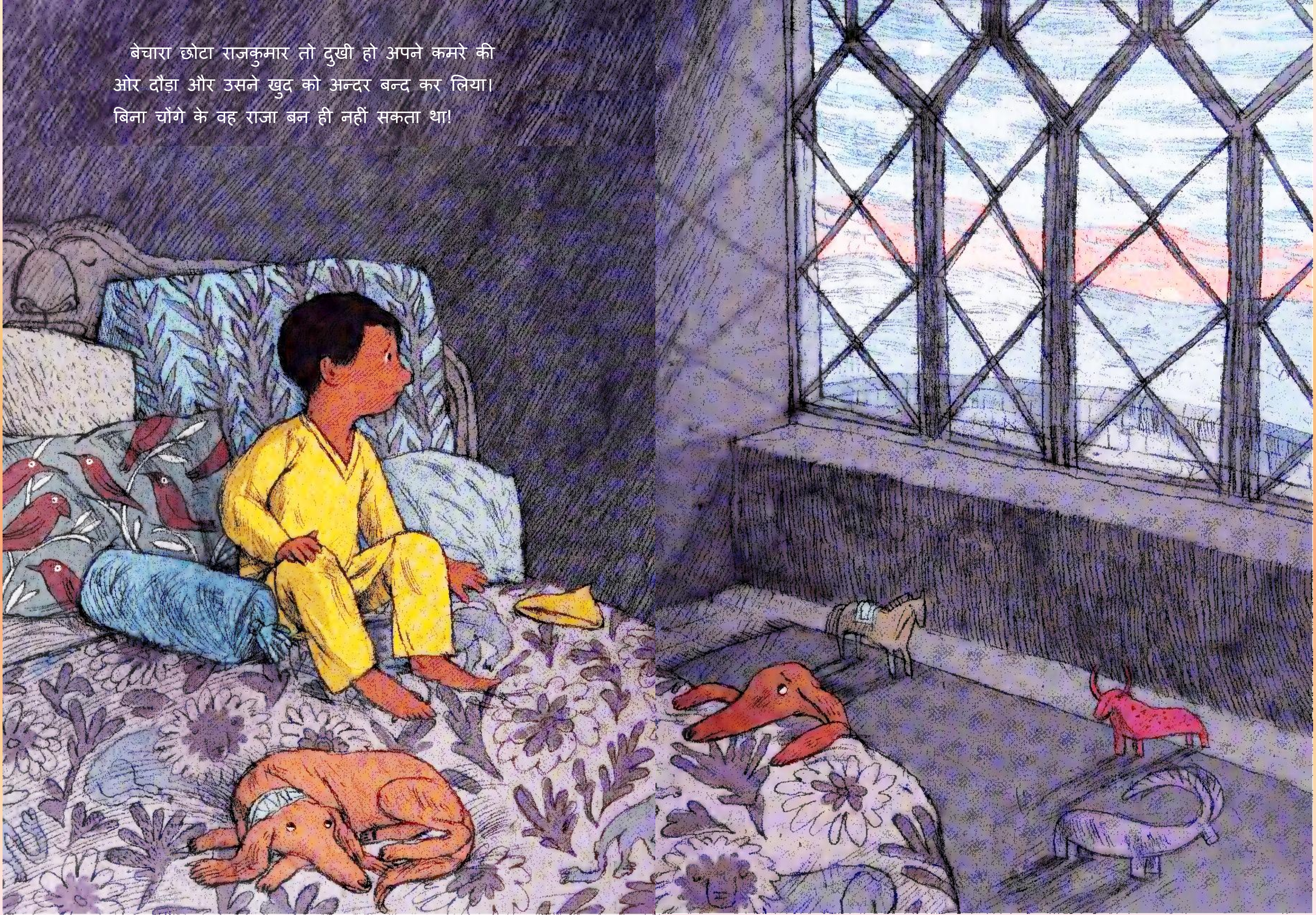
बिना किसी राजा के वह छोटा से राज्य खतरे से घिर गया। कोई भी उस पर हमला कर उसे हथिया सकता था। इसलिए द्वार बन्द ही रखे गए। शहर की सारी सराएं और मुसाफिरखाने सूने पड़े थे। आने-जाने वाले कारवां और मुसाफिरों के बिना राज्य का दिवाला निकलने वाला था।

शहर के लोग हैरान-परेशान थे। किसी को समझ नहीं आ रहा था कि वे करें तो क्या?

उन्हें चोंगे की सख़्त ज़रूरत थी। पर वह था कहाँ?
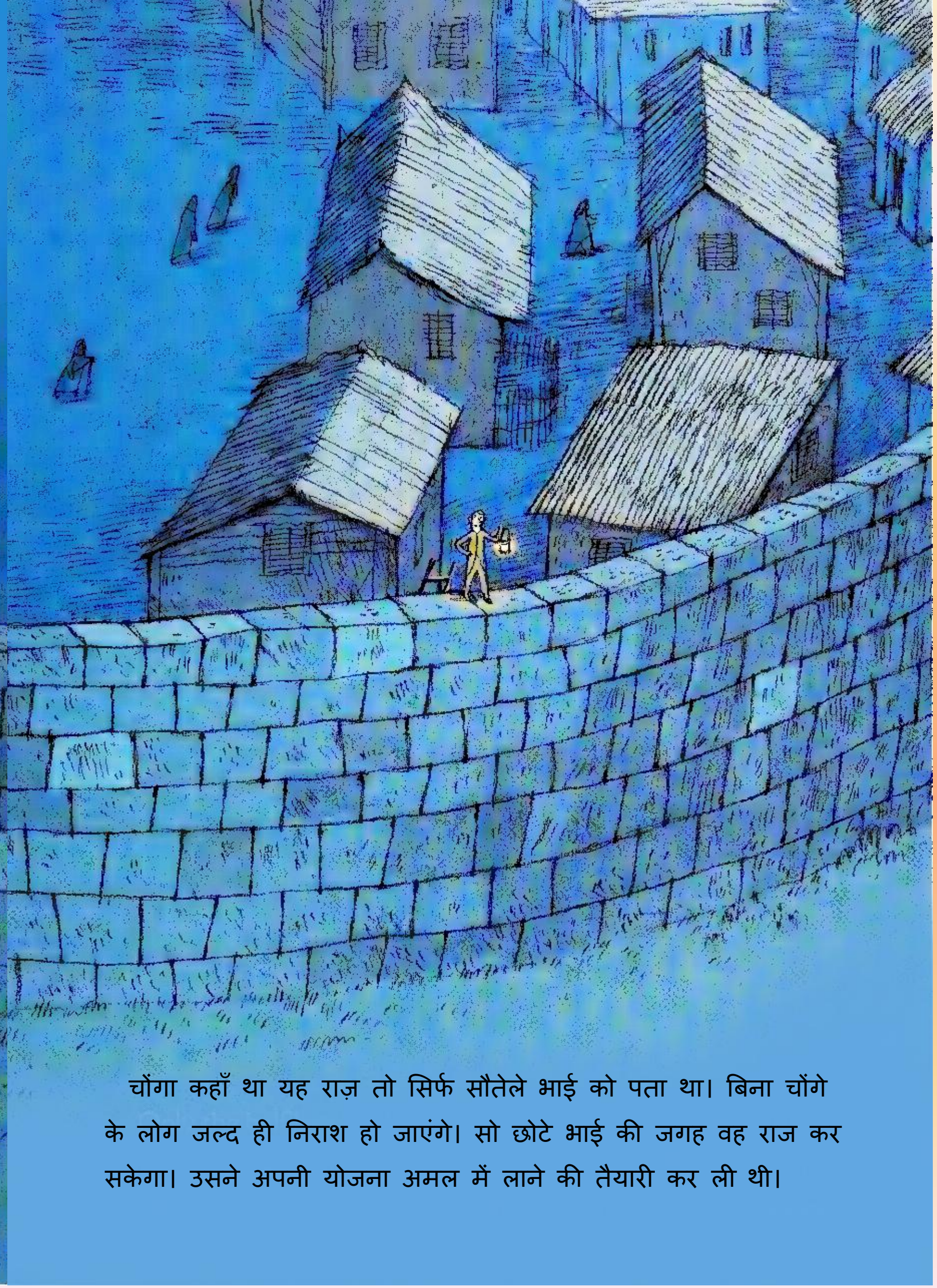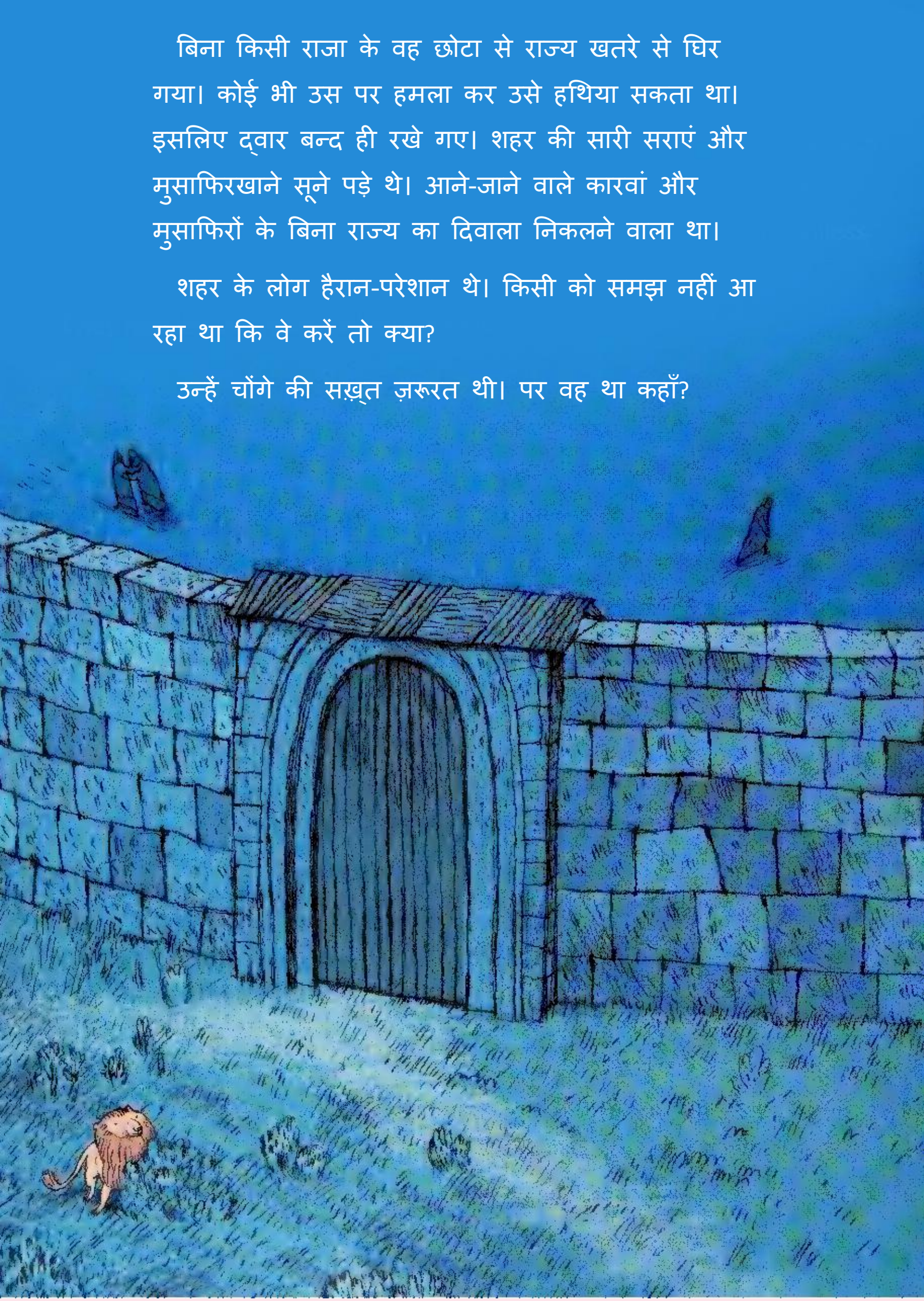
चोंगा कहाँ था यह राज़ तो सिर्फ सौतेले भाई को पता था। बिना चोंगे के लोग जल्द ही निराश हो जाएंगे। सो छोटे भाई की जगह वह राज कर सकेगा। उसने अपनी योजना अमल में लाने की तैयारी कर ली थी।

इसी दौरान एक दिन राज्य के एक ग़रीब इलाके में कुछ बच्चे नदी के पास खेल रहे थे।

"देखो तो मुझे क्या मिला," एक नन्ही ने अपने दोस्तों से कहा। सभी उसके गिर्द आ घिरे "यह तो सबसे सुन्दर कपड़े का टुकड़ा है। मैंने ऐसा तो पहले कभी देखा ही नहीं . . . अरे देखो, उधर तो और भी चिन्दियाँ हैं।"

"चलो अपन सब ये चिन्दियाँ आमा के पास ले चलते हैं। वे बड़ी ज़हीन हैं। उन्हें पता होगा कि ये हैं क्या," एक लड़के ने सुझाया।

सो उन्होंने यही किया।

"अरे! ये तो शाही चोंगे की कतरनें हैं," आमा बोलीं। जब मैं अपनी जवानी में राज-दरबार में दर्ज़िन थी, मैंने एकबार इसकी बाँह की मरम्मत की थी।"

आमा ने उस झिलमिलाते कपड़े के टुकड़े को हाथ में लिया, वह फ़ौरन समझ गई कि उसे क्या करना चाहिए।

"बच्चों नदी के पास वापस जाओ," आमा ने कहा, "ओर हर जगह ऐसी ही और कतरनों को तलाशो।

बच्चों ने मिल-जुलकर और ज़्यादा, और और ज़्यादा कतरनें ढूंढ निकालीं।
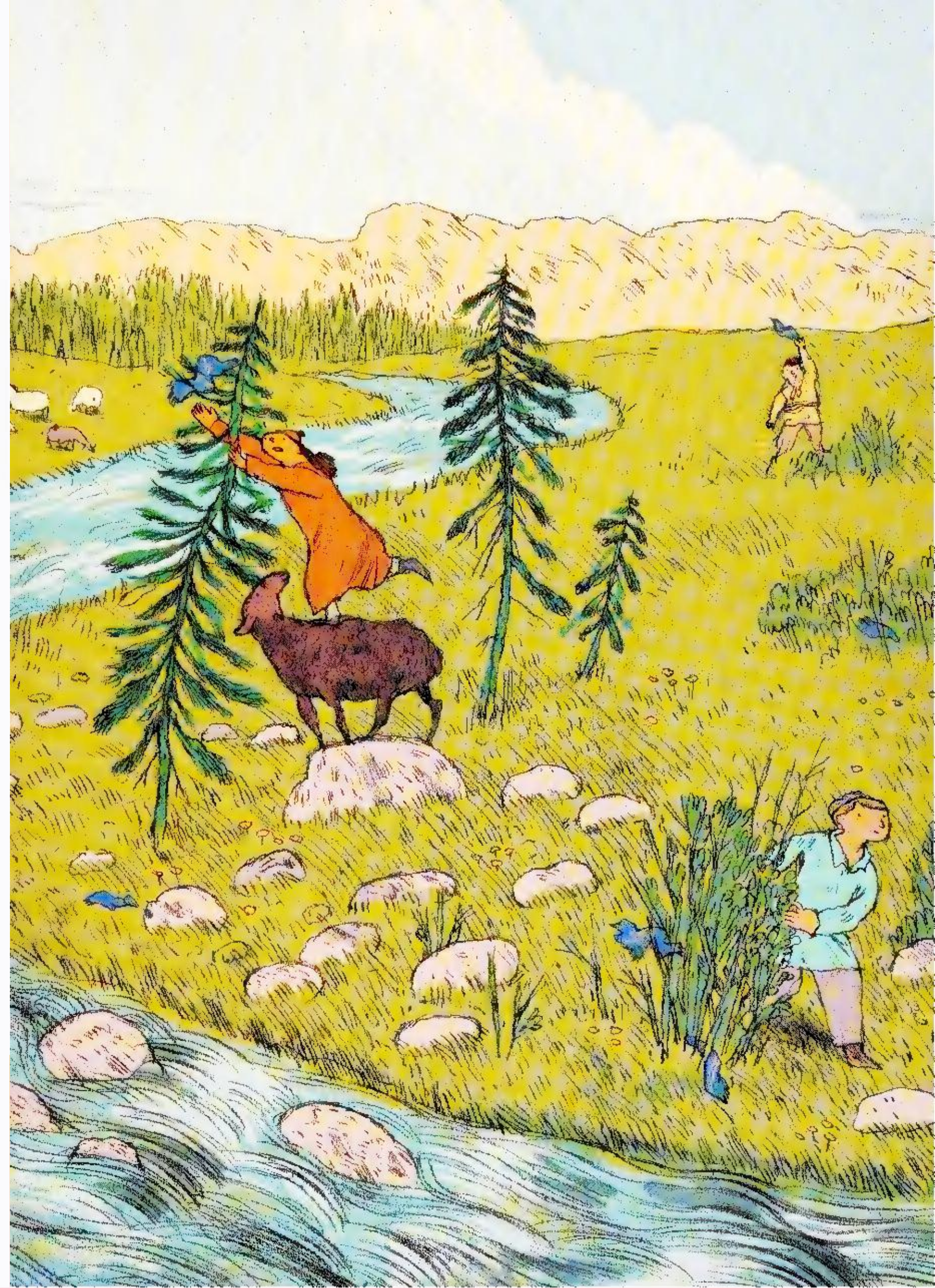
आमा ने तब उन सब लोगों को इकट्ठा किया जो सिलाई करना जानते थे।

उन सबने कतरनों को जोड़ना शुरू किया। पर चोंगे के काफी सारे हिस्से अब भी गायब थे।

"सबसे कहो कि वे अपने सबसे चहेते कपड़े का टुकड़ा लाएं," आमा ने कहा, "अगर वे उसे अपने प्यार के साथ देंगे तो चोंगा पूरा किया जा सकेगा।
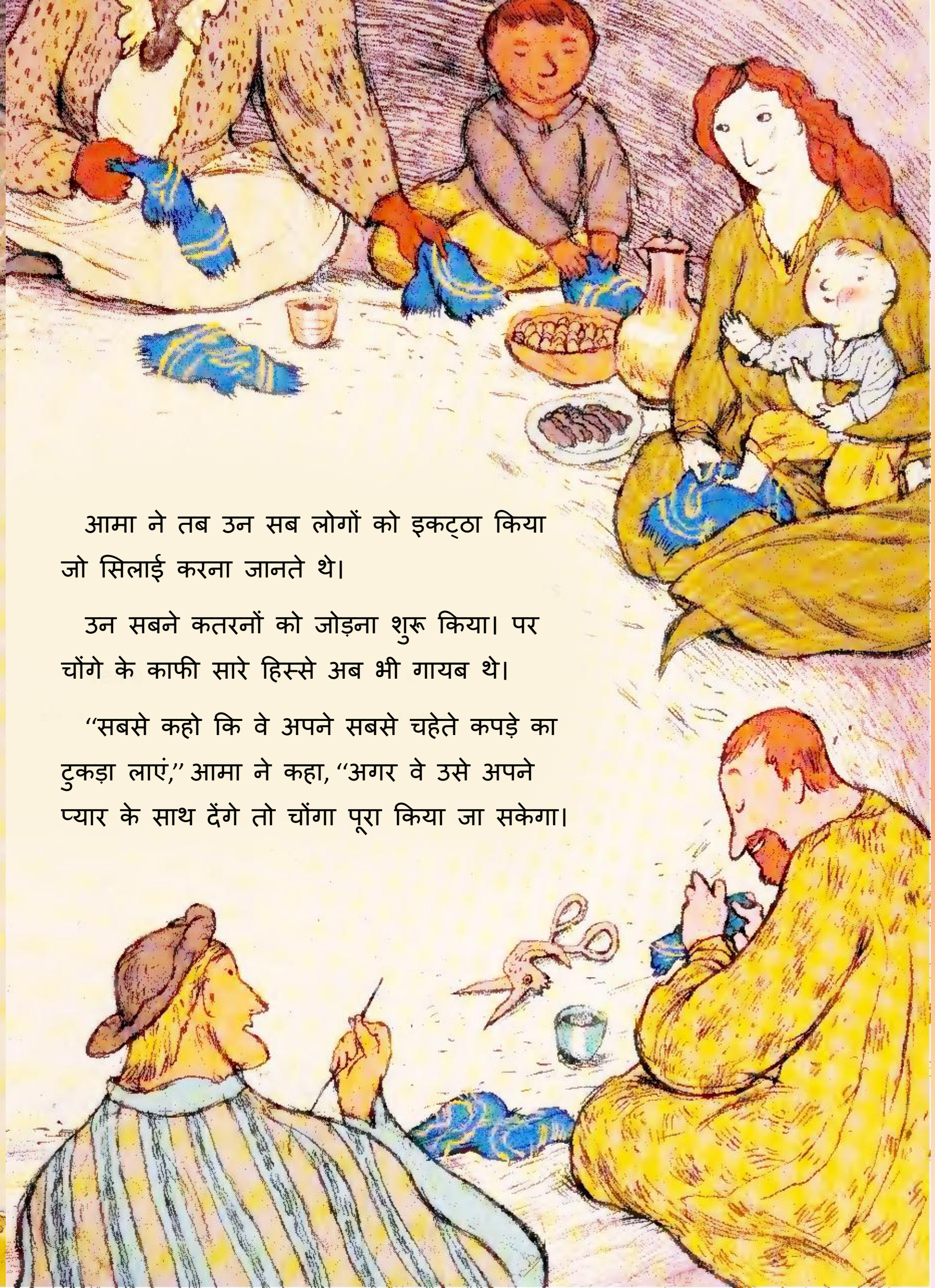
लोगों ने ठीक यही किया।

"यह मेरी शादी की ओढ़नी का एक छोटा टुकड़ा है," एक बूढ़ी माँ ने कहा।

"यह उस कम्बल की कतरन है, जिसे हमने अपनी बिटिया को तब उढ़ाया था जब वह सख़्त बीमार थी," एक अधेड़ जोड़े ने कहा। "अब वह बड़ी हो चुकी है।"

"मेरे दादाजी ने मुझे यह गुलुबन्द दिया था, ताकि धूप मेरी गरदन को न झुलसाए," एक लड़के ने कहा।

"यह उस प्यारी-सी गुड़िया के कोट की कतरन है, जो मेरी मौसी ने कारवां से ख़रीद कर मुझे दी थी," एक किशोरी ने कहा।

लोग अपनी ज़िन्दगी की बेशकीमती चीज़ों की कतरनें, उनके टुकड़े लाते रहे।

आमा और दूसरे दर्ज़ियों ने मिलकर हरेक बेशकीमती कतरन को शाही चोंगे में सिया।

जब चोंगा तैयार हो गया, वह वैसा नहीं दिख रहा था, जैसा वह पहले था। उस पर एक नई और अद्भुत कारीगरी नज़र आ रही थी।

लोग चोंगे को महल ले गए।

"यह हमारे नए राजा के लिए है," उन्होंने कहा।

सलाहकार चोंगे को निराश छोटे राजकुमार के पास ले गए। उन्होंने बताया कि उसकी किस तरह मरम्मत की गई थी।

"लोगों को शाही चोंगे की कतरनें मिलीं जिसे उन्होंने अपनी ज़िन्दगी की बेशकीमती कतरनों के साथ जोड़ा," मुख्य सलाहकार ने बताया। "यह लोगों ने आपके और अपने राज्य के प्रेम के चलते किया है।"

"तो मैं इसे ज़रूर पहनूंगा," राजकुमार बोला। "पर इसे मैं लोगों के सामने ही पहनूंगा। ताकि सभी इस करिश्माई चोंगे को देख सकें।"

सौतेला बड़ा भाई यह सब आड़ में छिप कर देख रहा था।

"अरे! चोंगा मिल गया है," उसने खुद से कहा। "चोंगा मुझे बरबाद करे उसके पहले ही मुझे राज्य से भाग जाना चाहिए।"

वह रात में ही भाग निकला, और इसके बाद किसीने उसे कभी राज्य में न तो देखा ना ही उसके बारे में कुछ सुना।
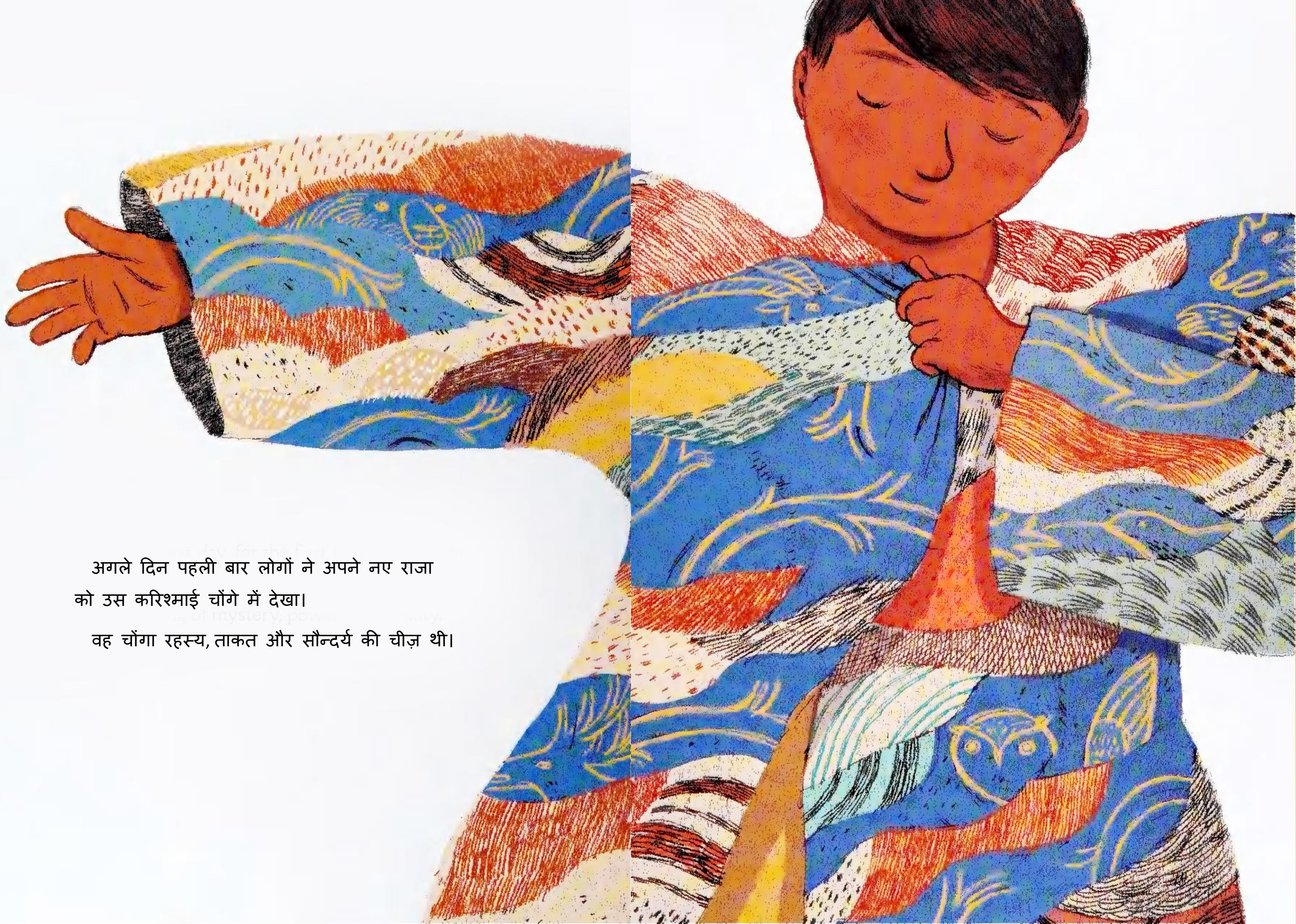
अगले दिन पहली बार लोगों ने अपने नए राजा को उस करिश्माई चोंगे में देखा।

वह चोंगा रहस्य, ताकत और सौन्दर्य की चीज़ थी।
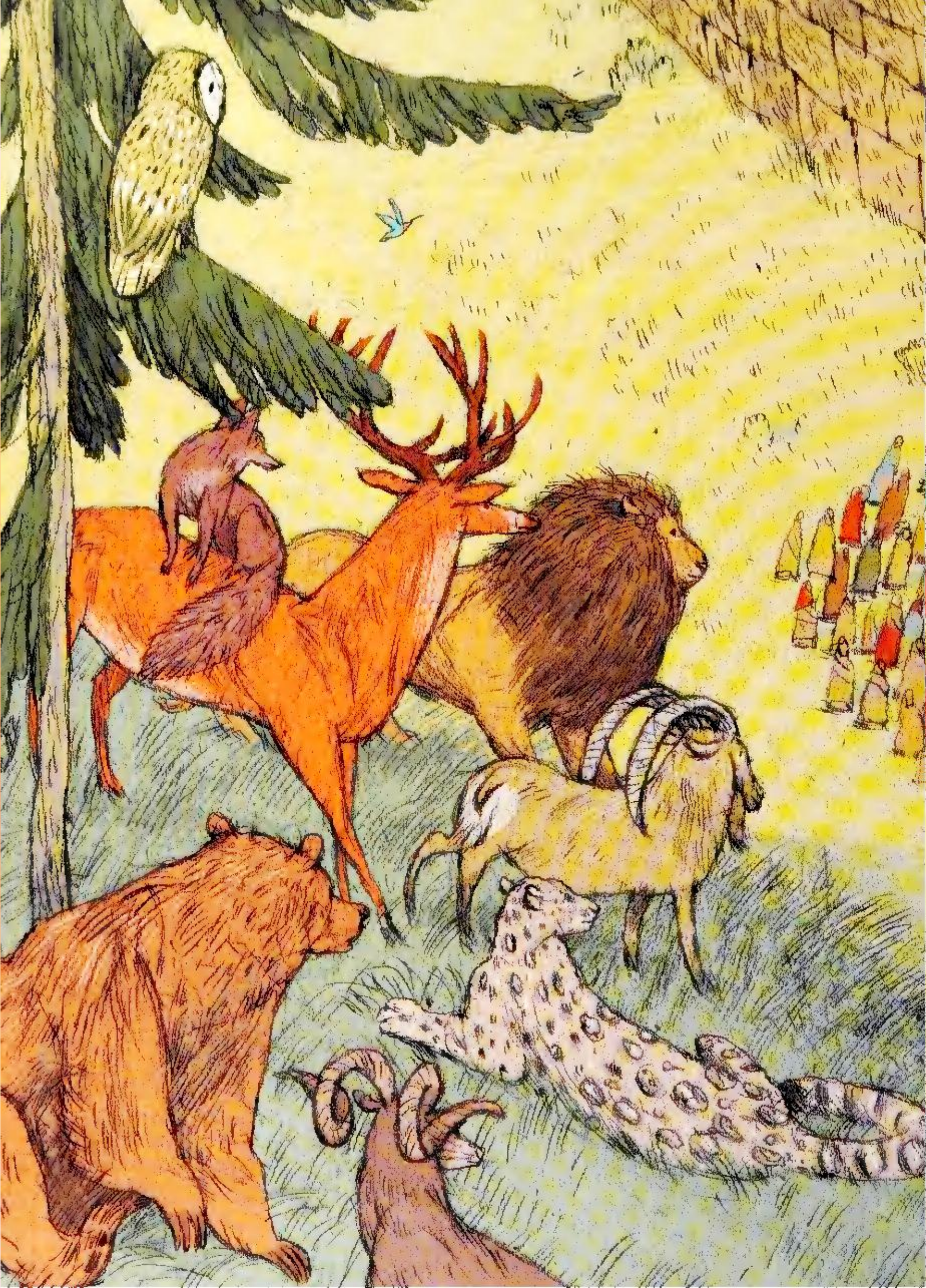
“मेरे प्यारे लोगों,” छोटे राजा ने ऐलान किया। “जिस चोंगे को मैंने पहन रखा है उसमें केवल करिश्माई ताकत ही नहीं आप सबका प्यार भी है . . .

“वैसा ही प्यार, जैसा आपके नए
राजा के मन में आप सबके लिए है।”
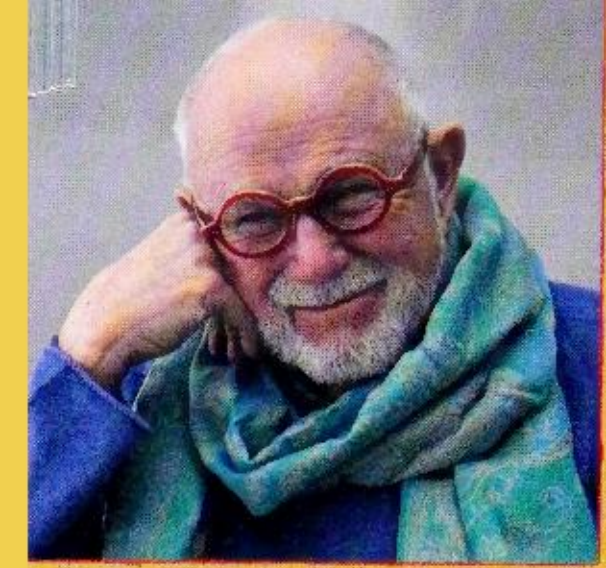
टॉमी डे पाओला हमारे समय की लोकप्रिय बाल-पुस्तकों के लेखक व चित्रकार हैं। उन्हें उनकी उपलब्धियों के लिए 2011 में लॉरा इन्गल्स वाइल्डर पुरस्कार से नवाज़ा गया था। न्यूबैरी सम्मान पाने वाले इस लेखक ने कई पुस्तकों की रचना की और उन्हें चित्रों से संवारा है। इनमें कैलडेकॉट सम्मान पाने वाली रचना *स्ट्रेगा नोना* के अलावा *ऑलिवर बटन इज़ अ सिसी, चार्ली नीडस् अ क्लोक, माइकल बर्ड बॉय,* तथा *एण्डी दैटस् माय नेम* शामिल हैं। केनेकटिकट के मूल निवासी मिस्टर पाओला ने ब्रुकलिन न्यू यॉर्क के प्रैट इन्स्टिट्यूट में अध्ययन किया था। वे अब न्यू लण्डन, न्यू हैम्पशर में रहते हैं।

डग सलाटी ब्रुकलिन न्यू यॉर्क में रहने वाले चित्रकार हैं। उन्होंने स्कूल ऑफ विज़ुअल आर्टस् से एमएफए किया। 2015 में वे सैन्डल्स फैलो बने। यह उनके द्वारा चित्रित पहली पुस्तक है।